कार्यालय नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

(हवामहल के पीछे माणक चौक, बड़ी चौपड़, जयपुर)

क्रमांक: एफ ( )आयुक्त/न.नि.ज (हैरिटेज)/2024/05-107 दिनांक 13/3/24

1. श्रीमान् संभागीय आयुक्त, जयपुर।
2. श्रीमान् निदेशक, स्थानीय निकाय विभाग, राज. जयपुर।
3. उपनिदेशक (क्षेत्रीय), स्थानीय निकाय विभाग, जयपुर।

विषय :– नगर निगम जयपुर, हैरिटेज के प्रथम बोर्ड की साधारण सभा की द्वितीय बैठक दिनांक 06.03.2024 का कार्यवाही विवरण।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि नगर निगम जयपुर, हैरिटेज के प्रथम बोर्ड की साधारण सभा की द्वितीय बैठक **दिनांक 06.03.2024** का कार्यवाही विवरण पत्र के साथ संलग्न कर सूचनार्थ प्रेषित है।

(अभिषेक सुराणा)
आयुक्त एवं सचिव
साधारण सभा
नगर निगम जयपुर हैरिटेज

प्रतिलिपि :– कार्यवाही विवरण की प्रति सूचनार्थ।
1. श्री/सुश्री/श्रीमती .... पार्षद वार्ड नं. .... नगर निगम हैरिटेज, जयपुर।
2. सुरक्षित पत्रावली।

आयुक्त एवं सचिव
साधारण सभा
नगर निगम जयपुर हैरिटेज

कार्यालय नगर निगम जयपुर, हैरिटेज
(हवामहल के पीछे माणक चौक, बड़ी चौपड़, जयपुर)

नगर निगम हैरिटेज जयपुर की साधारण सभा (प्रथम बोर्ड) की द्वितीय बैठक का कार्यवाही विवरण।

आज दिनांक 06.03.2024 को नगर निगम जयपुर हैरिटेज की साधारण सभा के प्रथम बोर्ड की द्वितीय बैठक माननीय महापौर श्रीमती मुनेश गुर्जर की अध्यक्षता में दोपहर 02:15 बजे नगर निगम ग्रेटर जयपुर के स्वामी विवेकानंद सभासद भवन, लालकोठी मुख्यालय में आयोजित हुई। जिसमें निम्नलिखित सदस्यगण उपस्थित हुए :–

क्र.सं.	वार्ड	पार्षद का नाम
1.	43	श्रीमती मुनेश गुर्जर (महापौर)
2.	29	श्री मोहम्मद असलम (उप–महापौर)
3.	1	हनुमान गुर्जर
4.	2	श्रीमती अंजली ब्रह्मभट्ट
5.	3	श्री पूरण मल सेनी
6.	4	श्रीमती बरखा सेनी
7.	5	श्री अब्दुल वहीद
8.	6	श्री जाहिद निर्वात

9.	7	श्रीमती शबनम खान
10.	8	श्री राजेश महावर
11.	9	श्री रजत विश्नोई
12.	10	श्रीमती बबिता तँवर
13.	11	श्री भूपेन्द्र कुमार मीणा
14.	12	श्रीमती मौजम बानो
15.	13	श्री सुरेश सैनी
16.	14	श्री नंदकिशोर सैनी,
17.	15	श्री मोहम्मद अहसान,
18.	16	श्रीमती कृष्णा शर्मा
19.	17	श्री शिवकुमार सोनी
20.	18	श्री सोनल जाँगिड
21.	19	श्री अफजल महबूब
22.	20	श्री रामकृष्ण शर्मा

23.	21	श्रीमती अनिता जैन
24.	22	श्री विमल अग्रवाल
25.	23	श्रीमती जायदा बानो
26.	24	श्री माणक चन्द्र शर्मा
27.	25	श्री विक्रम सिंह
28.	26	श्री सलमान मंसूरी
29.	27	श्रीमती भगवती देवी
30.	28	श्रीमती सना खान
31.	30	श्रीमती जमीला बेगम
32.	31	श्री अजरूद्दीन
33.	32	श्री विजेन्द्र तिवारी
34.	33	श्री उमेश शर्मा
35.	34	श्री सुभाष व्यास
36.	35	श्री मनोज मुद्गल

37.	36	श्रीमती मन्जू शर्मा
38.	37	श्री रविप्रकाश सैनी
39.	38	श्री हेमेन्द्र शर्मा
40.	39	श्री हरमेन्द्र खोवाल
41.	40	श्रीमती रश्मि गुजराती
42.	41	श्री आरिफ खान
43.	42	श्री दशरथ सिंह
44.	44	श्रीमती सुनीता शेखावत
45.	45	श्री धीरज शर्मा
46.	46	श्रीमती ज्योति चौहान
47.	47	श्रीमती रेखा राठौड
48.	48	श्री राजेश कुमावत
49.	49	श्री उत्तम शर्मा
50.	50	श्री पवन कुमार शर्मा

51.	51	श्री राहुल शर्मा
52.	52	श्रीमती पूनम शर्मा
53.	53	श्रीमती कमलेश कंवर
54.	54	श्रीमती अंशु शर्मा
55.	55	श्री जितेन्द्र कुमार लखवानी,
56.	56	श्रीमती रेशमा बेगम कुरैशी
57.	57	श्री हिमांशु ढलेत
58.	58	श्री मनीष पारीक
59.	59	श्रीमती कपिला कुमावत
60.	60	श्री मो0 फारूक
61.	61	श्रीमती आयशा सिद्दीकी
62.	62	श्री रोहित कुमार चावरियाँ
63.	63	श्रीमती सुशीला देवी
64.	64	श्रीमती नसरीन बानो

65.	65	श्री मो0जकारिया
66.	66	श्री घनश्याम टेपन
67.	67	श्री मो0 अयूब
68.	68	श्रीमती नसीम बानो
69.	69	श्री मो0 फरीद कुरैशी
70.	70	श्री गिर्राज नाहटा
71.	71	श्री अरविन्द मेठी
72.	72	श्रीमती ललिता जायसवाल
73.	73	श्री अमर सिंह गुर्जर
74.	74	श्रीमती कुसुम यादव
75.	75	श्री मो0 शोएब
76.	76	श्री मो0 सोहेल
77.	77	श्री सुरेश नावरिया
78.	78	श्रीमती संतोष कँवर

79.	79	श्रीमती राबिया बहन गुडएज
80.	80	श्री पारस जैन
81.	81	श्रीमती असमा
82.	82	श्रीमती सावित्री
83.	83	श्री फिरोज खान
84.	84	श्री नरेश कुमार
85.	85	श्रीमती सुनीता मावर
86.	86	श्री उमरदराज
87.	87	श्री मो0शफीक
88.	88	श्री रईस कुरैशी,
89.	89	श्री अकबरूद्दीन
90.	90	श्री सुनील दत्ता शर्मा
91.	91	श्री श्याम सुन्दर सैनी
92.	92	श्रीमती रितु मोतियानी

93.	93	श्री नीरज अग्रवाल
94.	94	श्री घनश्याम चंदलानी
95.	95	श्री महेश कलवानी
96.	96	श्री महेन्द्र कुमार पहाडिया
97.	97	श्रीमती सुनीता देवी,
98.	98	श्री प्रकाश चन्द्र शर्मा
99.	99	श्रीमती माया नेनीवाल
100.	100	श्री पुष्पेन्द्र मीणा

क्र.सं.	माननीय विधायकगण
1.	श्री बालमुकुन्द आचार्य।
2.	श्री गोपाल शर्मा।
3.	श्री अमीन कागजी।
4.	श्री रफीक खान।

5.	श्री प्रशांत शर्मा।

सर्वप्रथम राष्ट्रगान प्रारंभ किया गया, राष्ट्रगान पश्चात महापौर महोदया द्वारा शोक संदेशों को पढ़ा गया **मुझे सदन को यह सूचित करते हुए, अत्यन्त दुःख हो रहा है कि गत दिनों में :–**

(1) श्री सत्यनारायण जी धामानी, पूर्व पार्षद (2) श्री रामकिशोर जी, पूर्व पार्षद (3) श्रीमती रूकसाना मंसूरी, पूर्व पार्षद (4) श्री अर्जुन प्रजापति, पदमश्री विख्यात मूर्तिकार (5) लद्दाख के गलवान सैक्टर में शहीद हुये भारतीय सैनिक (6) कोटा जिले के खातोली क्षेत्र में गोठड़ा ग्राम के पास चम्बल नदी हादसे में मृतक (7) कोटा–दौसा मेगा स्टेट हाईवे पर लाखेरी के निकट मिनी बस के नदी में गिरने से हुई दुर्घटना के मृतक (8) चमोली जिले में ग्लेशियर फटने से दुर्घटना से मृतक लोगों को (9) श्रीमती लता मंगेशकर, प्रख्यात गायिका (10) श्री बिपीन रावत, प्रथम चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ (11) श्रीमती जमना देवी बारूपाल, पूर्व सांसद (12) श्री गंगाराम कोली, पूर्व सांसद (13) श्री श्याम सुंदर सोमानी, पूर्व सांसद (14) बृजराज सिंह, पूर्व सांसद (15) श्री डी.एन. पाटोदिया, पूर्व सांसद (16) श्री रामचन्द्र जाट, राजस्थान विधानसभा पूर्व उपाध्यक्ष (17) श्री जयनारायण पूनिया, पूर्व मंत्री (18) श्री महिपाल मदेरणा, पूर्व मंत्री (19) श्री मोहनलाल चौहान, पूर्व विधायक (20) श्री कमलराम कोली, पूर्व विधायक (21) श्री जीतमल जैन, पूर्व विधायक (22) श्री रामकरण चौधरी, पूर्व विधायक (23) श्री हीरालाल खांट, पूर्व विधायक (24) श्री गोर्वधन सिंह, पूर्व विधायक (25) श्री सूरजमल, पूर्व विधायक (26) श्री भगराज चौधरी, पूर्व राज्य मंत्री (27) श्री महेन्द्र प्रसाद, पूर्व सांसद (28) श्री महेन्द्र ढलेत, वार्ड नं. 57, नगर निगम, जयपुर हैरिटेज (29) श्रीमती माया देवी, वार्ड नं. 97, नगर निगम, जयपुर हैरिटेज (30) श्री महेश चन्द्र सोयल, वार्ड नं. 66, नगर निगम, जयपुर हैरिटेज (31) श्री संकल्प यादव, मेजर की शहदत पर (32) गुवाहटी–बीकानेर एक्सप्रेस रेल दुर्घटना के मृतकों (33) कर्नल श्री करोड़ी सिंह बैसला, समाज सेवी (34) कोटा के नयापुरा पुलिया हादसे में मृतकों के प्रति (35) उदयपुर झाडोल मार्ग पर हुए हादसे में मृतकों के प्रति (36) जोधपुर के बिलाड़ा क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में मृतकों के प्रति (37) चंबल नदी में कार गिरने से हुई दुर्घटना के मृतकों के प्रति (38) जैसलमेर के रामगढ़ क्षेत्र में हुई दुर्घटना में 05 लोगों (39) श्री जय कृष्णा तोसावड़ा, पूर्व विधायक 5वीं विधानसभा से फागी, 8वीं विधानसभा से दूदू (40) श्री शिवकुमार शर्मा, संतूर वादक (41) जोधपुर के कुड़ी भगतासनी क्षेत्र में पैदल विहार कर रहे जैन संत महाराज के सड़क दुर्घटना में निधन पर (42) बिहार के पूर्णिया में सड़क हादसे में उदयपुर के 07 लोगों (43) प्रधानमंत्री जी की माता हीरा बा (44) आचार्य धर्मेन्द्र (45) सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ स्थित बऊधाम अक्षय के पीठाधीश्वर संत श्री रतिनाथ महाराज जी (46)

श्री थानसिंह जाटव, पूर्व सांसद (बयाना संसदीय निर्वाचन में) (47) श्री आदाराम मेघवाल, पूर्व विधायक (टिब्बी पीलीबंगा) (48) श्रीमती इंदिरा मायाराम, पूर्व विधायक (49) श्री पराक्रम्य सिंह (50) श्री भरतलाल, पूर्व विधायक (51) श्री भंवरलाल शर्मा, विधायक (52) श्री मुलायम सिंह यादव, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री (53) श्री हरीशचन्द कुमावत, विधानसभा के पूर्व सदस्य (54) श्री लोकेन्द्र सिंह कालवी, करणी सेना के संस्थापक (55) श्री वेद प्रताप वैदिक, वरिष्ठ पत्रकार, विश्लेषक और स्तम्भकार (56) श्री पलक नंदी, वरिष्ठ पत्रकार (57) श्री सलीम दुर्रानी, अर्जुन अवार्ड से सम्मानित पूर्व दिग्गज क्रिकेटर (58) श्री रमेश लाल गुर्जर, पूर्व पार्षद (59) श्री रणबीर सिंह, प्रसिद्ध रंगकर्मी एवं इंडियन पीपल्स थियेटर एसोसिएशन (इप्टा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष (60) श्री अशोक परिहार, पूर्व न्यायाधीश (61) नागौर जिले के फतेहसर गांव निवासी भारतीय नौसेना के जवान श्री जयप्रकाश विश्नोई की शहादत में, शहीद (62) किशनगढ के निवासी नायक श्री भागचंद गुर्जर की अरूणाचल प्रदेश में ड्यूटी के दौरान शहदत (63) मेजर श्री विकास भांभू, श्री मुस्तफा बोहरा, श्री रोहिताश कुमार सहित पांच जवानों की अरूणाचल प्रदेश में शहादत पर (64) श्री राजू श्रीवास्तव, हास्य कलाकार (65) उदयपुर जिले में गोगुंदा पिंडवाड़ा हाईवे पर माला का चौराहा के समीप सड़क दुर्घटना में चार लोगों का निधन (66) जोधपुर जिले के शेरगढ़ क्षेत्र के भुंगरा गांव में 9 दिसंबर 2022 को विवाह समारोह के दौरान गौस सिलेण्डर ब्लास्ट की दुर्घटना में निधन होने पर शोक, संवेदना व्यक्त करती हूं (67) भंवरलाल जोशी, पूर्व विधायक (68) ओडिशा के बालासेर में हुई भीषण रेल दुर्घटना में 125 से अधिक लोगों की मृत्यु हो जाने पर (69) झुंझुनूं के उदयपुरवाटी में मनसा माता पहाड़ी पर 9 श्रद्धालुओं की मृत्यु (70) श्रीमती दुर्गादेवी जी, अशोक परनामी की माता जी, (71) श्री हरिद्वार दुबे, राज्यसभा सांसद (72) श्री विजय भंडारी, वरिष्ठ पत्रकार (73) श्री हृदयनाथ सिंह (74) पंडित भवानी शंकर, पखावज वादक, (75) श्री एन.एल. टिबरेलाल, पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश और पूर्व कार्यवाहक राज्यपाल (76) श्री कैलाशचंद भंसाली, पूर्व सदस्य (77) श्री गुरमीत सिंह कुन्नर, पूर्व राज्य मंत्री (78) श्री मोहम्मद जहूर, पूर्व सदस्य (79) श्री रामसिंह यादव, पूर्व उपाध्यक्ष एवं सांसद (80) डॉ. रामराय शर्मा, पूर्व सदस्य, (81) श्रीमती शशी दत्ता, पूर्व राज्य मंत्री (82) श्री हरिशंकर भाभड़ा, पूर्व अध्यक्ष, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं पूर्व सांसद (83) पद्मश्री पंकज उधास, गजल गायक (84) श्री रामवीर उपाध्याय, भारतीय राजनेता (85) श्री साइरस मिस्त्री, कार्यकारी अध्यक्ष टाटा समूह (86) श्री अरविन्द गिरि, भारतीय राजनेता, (87) श्री रामचन्द्र मांझी, भारतीय लोक नृतक (88) श्री जावेद खान अमरोही, बॉलीवुड अभिनेता। ईश्वर इनकी आत्मा को शांति प्रदान करे एवं इनके परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। इनकी आत्मा की शांति के लिए सभी दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजली अर्पित करे। सभी सदस्यगणों द्वारा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजली अर्पित की गई।

ॐ शांति

इसके पश्चात सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित की गई।

इस पर श्रीमती कुसुम यादव ने कहा कि 05 मिनट के लिए स्थगित होती तो ठीक होता क्योंकि बैठक का समय पहले ही लेट से रखी गई है।

15 मिनट पश्चात सदन की कार्यवाही पुनः प्रारंभ की गई।

महापौर महोदया :– द्वारा बोर्ड की द्वितीय बैठक में सभी का स्वागत उद्‌बोधन किया गया। साथ ही कहा गया कि मुझे सभी माननीय सदस्यों से उम्मीद है कि सदन की गरिमा को बनाए रखेंगे, शहर को स्वच्छ सुदंर, हरा–भरा एवं हैरिटेज संरक्षण को बनाए रखने में आप सभी का सहयोग अपेक्षित है साथ ही शहर के विकास में सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा रखती हूं, आज की बैठक में रखे गये एजेंडों पर चर्चा करने से पहले मैं आप सभी माननीय सदस्यों से निवेदन करती हूं कि कृपा सभी सदन की गरिमा को बनाए रखेंगे, कोई भी सदस्य असंसदीय, अमार्यादित अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं करे साथ ही कोई सदस्य एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप न लगाए, अपमानजनक शब्दों का प्रयोग न करें, साथ ही मैं आप सभी से यह अपेक्षा रखती हूं कि किसी भी सदस्य के विरुद्ध कोई प्रकरण माननीय न्यायालय में विचाराधीन है तो उस पर भी कोई टिप्पणी, चर्चा नहीं की जाएं और माननीय न्यायालय की गरिमा को बनाए रखें। मैं आप सभी माननीय सदस्यों से यह अपेक्षा करती हूं कि लोकसभा, विधानसभा या नगरीय निकाय के कार्य के बारे में कोई भी आकामक टिप्पणी नहीं करें। प्रत्येक प्रस्ताव पर 10 से अधिक सदस्य न बोले, किसी भी प्रस्ताव पर कोई भी सदस्य एक बार से अधिक न बोले, जो बात सदन में रखी जा चुकी हो उसे बार–बार दोहराया नहीं जाए। प्रत्येक प्रस्ताव पर 10 सदस्य बालेगे, 05 पक्ष के 04 विपक्ष के, एक निर्दलीय सदस्य अपनी बात रखेंगे, विचार–विमार्श करेंगे। ऐसी व्यवस्था रहेगी, आप चाहे तो अपने हाथ खड़े करके भी बता सकते है कि आप में से कौन–कौन बोलना चाहते हैं। आप चाहे तो स्लिप के माध्यम से भी नाम यहां भिजवा सकते है। जो पहले स्लिप भेजेगा उस पर बोलने के लिए मौका दिया जाएगा।

इसके बाद महापौर महोदया द्वारा सचिव को आदेशित किया कि प्रस्ताव संख्या 01 को पढ़ा जाए इस पर अतिरिक्त आयुक्त द्वारा प्रस्ताव संख्या 01 को पढ़ा गया :–

प्रस्ताव संख्या 01 :–

नगर निगम जयपुर हैरिटेज के अधिकारियों/कर्मचारियों से संबंधित स्थाईकरण, अनुकंपा नियुक्ति, समायोजन, पद अनुसार स्वीकृति आदि प्रस्तावों के अनुमोदन हेतु प्रस्ताव पर चर्चा।

श्री विमल अग्रवाल, श्रीमती कुसुम यादव द्वारा माईक चालू करने की मांग रखी गई।

विपक्ष के कुछ सदस्यों द्वारा प्रस्ताव पढ़े जाने के दौरान कहा गया कि प्रस्ताव पढ़ने से पहले हमें कुछ बोलना है, इस पर महापौर महोदया द्वारा कहा गया कि पहला प्रस्ताव हमारे

अधिकारियों/कर्मचारियों से संबंधित है यदि आप उसमें कोई आपत्ति दर्ज करवाएगे तो उसे मिनट्स में शामिल करेंगे।

श्री विमल अग्रवाल :— ने कहा कि आप पहले गत बैठक की मिनिट्स सदन में उपलब्ध करवाए, **जिस पर** महापौर महोदया ने कहा कि मीन्ट्स नगर निगम की वेबसाइट पर अपलोड है आप सभी को लैपटॉप दिए गए है, आप उस वेबसाइट से मिनिट्स निकाल सकते है। आप यहां स्वस्थ्य चर्चा करे।

विपक्ष के कई सदस्यों ने कहा की माईक चालू करवाये, हमें माईक दें, **इस पर** महापौर महोदया ने कहा कि इन्हें माईक उपलब्ध करवाए जाए। **आपसी वार्तलाप.......**

महापौर :— आप क्या चाहते है जो भी कर्मचारी/अधिकारी लगे है, इनका अनुमोदन न किया जावे। आपकी जो भी आपत्ति होगी लिखित में दर्ज होगी।

श्री विमल अग्रवाल :— ने कहा की अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो इसी बात पर आपत्ति है कि आपने जो इस बैठक के 07 एजेंडे बनाए हैं, उस पर न तो किसी पार्षदों से उस पर कोई चर्चा की गई और जो यह प्रस्ताव बनाए है उसमें जनहीत के मुद्दें कहीं पर भी परिलक्षित नहीं होते है। **बीच में** महापौर महोदया ने कहा कि अधिकारी/कर्मचारी के मुद्दें पहले भी बोर्ड में रखा गया है, **इस पर** श्री विमल अग्रवाल ने कहा कि आपने यह नियुक्ति किस एजेंडे के माध्यम से दी, किन नियमों के माध्यम से दी, हमें नहीं पता। पार्षदों को यह जानने का अधिकार है कि जिन कर्मचारियों को आपने नियुक्ति दी वह किन नियमों के तहत दी, यदि यह हमें पता नहीं होगा तो सदन में इस प्रस्ताव पर कैसे चर्चा हो सकती है।

महापौर महोदया :— ने कहा कि इस प्रस्ताव में अनुकंपा नियुक्ति नियमों के तहत की गई है। श्री विमल अग्रवाल जी की आपत्ति दर्ज की जाए और किसी को आपत्ति है। ध्वनिमत से पहला प्रस्ताव पारित माना जावें।

श्री विमल अग्रवाल :— ने कहा कि हमने आयुक्त महोदय को संशोधित प्रस्ताव दिए है, आपने पार्षदों से पुछा ही नही तो सबसे पहले संशोधित प्रस्ताव पर चर्चा होनी चाहिए कि नहीं होनी चाहिए, जनता के मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए की नहीं होनी चाहिए। पहले जनता के मुद्दों पर चर्चा होगी उसके बाद इन 07 एजेंडों पर चर्चा होगी। **इस बीच पक्ष** के सदस्यों ने कहा कि महापौर महोदया प्रस्ताव संख्या 01 पास किया जाए। **जिस पर** महापौर महोदया ने कहा कि ध्वनि मत से प्रस्ताव संख्या 01 पास किया जाता है।

इस दौरान सदन में आपसी वर्तालाप....

श्री मनीष पारीक :— ने कहा कि अब यह नई व्यवस्था का प्रश्न खड़ा हो गया है, यह जो पार्षद है, यह कह रहे है कि हम इस प्रस्ताव के समर्थन में नहीं हैं, तो आपको मत विभाजन

कराना होगा, **इस पर** महापौर महोदया ने कहा कि आपको अधिकारी/कर्मचारी के प्रस्ताव पर आपत्ति है, **जिस पर** पक्ष के कई सदस्यों ने कहा कि **आपत्ति नहीं है, विपक्ष के** अधिकांश सदस्यों ने कहा कि आपत्ति है। **इस पर** महापौर महोदया ने कहा कि अजरूददीन जी, मनोज मुद्दल जी, दशरथ जी, ज्योति चौहान जी, मनीष पारीक जी क्या आपको आपत्ति है **आपसी वार्तालाप...**

श्री मनीष पारीक :– ने कहा कि आप विश्वास खो चुकी है, यह व्यवस्था का प्रश्न है। आप मत–विभाजन कराए, यह आयुक्त महोदय से भी निवेदन करेगे, **पक्ष वाले** विपक्ष वाले अपने–अपने हाथ खड़े कर लेंगे, मैं व्यवस्था का प्रश्न कर रहा हूं।

महापौर महोदया :– ने कहा कि मनीष जी आप सीनियर है, आप बताए कि अधिकारी/कर्मचारी के स्थायीकरण, पदोन्नती की नियुक्ति कैसे होती है। जिनके फादर, मदर ड्युटी के दौरान फौत हुए उनकी नियुक्ति नियम के अंतर्गत होती है।

श्री उमरदराज :– ने कहा कि आप लोग क्या चाहते हैं, प्रस्ताव पर चर्चा करना चाहते है या नहीं करना चाहते हैं।

श्री मनीष पारीक :– ने कहा कि आपको मत–विभाजन कराना पड़ेगा, जो की मांग की जा रही है, वोट कराए।

महापौर महोदया :– ने कहा कि प्रस्ताव अनुकम्पात्मक नियुक्ति का है, आम जनता को क्या जवाब देंगे **आपसी वार्तालाप...** आप बाई 1–बाई 1 बोलेंगे, तभी आपत्ति दर्ज करा पाएंगे।

श्रीमती आयशा सिद्दकी ने :– ने कहा कि मेयर साहब जो पार्षद साथी हमारे अधिकारी/कर्मचारी के प्रस्ताव के खिलाफ है, उनकी बात नहीं माने, यहां सदन में सिर्फ तमाशा बनाने आए है, आप प्रस्ताव पास करे।

महापौर महोदया :– ने कहा कि विमल जी, मनीष जी, आप वकील है, **बीच में पक्ष** के कई सदस्यों ने कहा कि आप प्रस्ताव पास करें, **जिस पर महापौर महोदया ने** कहा कि आप अपने एक–एक सदस्य आपत्ति दर्ज कराए, वोटिंग स्वतः ही मानी जाएगी, बाई 1–बाई 1 बोलिए। **सदस्यों को बीच आपसी वार्तालाप होती रही** .... इस बीच पक्ष के कई सदस्यों ने कहा कि प्रस्ताव पास किया जाए, **विपक्ष के** कई सदस्यों ने कहा कि हमारी आपत्ति है, दर्ज किया

जाए। यह घटनाक्रम काफी समय तक चलता रहा, **इस दौरान विपक्ष** के किसी एक सदस्य ने कोई अमर्यादित शब्द कहा, जिस पर **श्रीमती आयशा सिद्दीकी** ने कहा कि बदतमीजी नहीं करे, तमीज से अपनी बात कहे। **श्रीमती कुसुम यादव** ने कहा कि हम सब इस प्रस्ताव के विरोध में है, वोटिंग चाहते हैं, इस दौरान दोनों पक्षों के सदस्यों के बीच नोंक–झोंक होती रहीं, दोनों पक्षों के सदस्य वैल में आ गए।

निर्णय प्रस्ताव संख्याः– 01 बाबत्
बाद विचार विमर्श महापौर महोदया ने कहा कि प्रस्ताव संख्या 01 ध्वनि मत से पास किया जाता है।

महापौर महोदयाः– प्रस्ताव संख्या 02 को पढ़ा जाए।

श्रीमती कुसुम यादव :– ने कहा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध आपत्ति है, आपका बहुमत सिद्ध नहीं हो पा रहा है, माननीय आप अपना पद छोड़े।

आयशा जी – जो पार्षद हमारे अधिकारी, कर्मचारी के खिलाफ है उनकी बात मत मानिए।

पक्ष के पार्षदगण ने कहा प्रस्ताव पास करिए।

महापौर महोदया :– ने कहा कि कुसुम जी आप अपने पीछे बैठे सदस्य को देंखे।

श्री विमल अग्रवाल :– ने कहा कि आप पहले वोटिंग कराए, आप का ध्वनिमत यहां कौन–सा है।

महापौर महोदया :– ने कहा कि विमल जी आप अपने पीछे बैठे सदस्यों को देंखे, आपका यह व्यवहार आज पूरा जयपुर शहर देख रहा है, **आपसी वार्तालाप शोर–गुल......**

पार्षदगण वेल में आ गए।

श्री उमरदराज :– ने कहा कि महापौर महोदया यहां यह सदन की गरिमा को ध्यान में रखे, ऐसे किसी महिला पार्षद के साथ ऐसा करेंगे तो वह बर्दाश्त नहीं की जायेगा। यहां वह माफी मांगे, अन्यथा उन्हें सदन से बाहर निकाले। **आपसी वार्तालाप शोर–गुल......**

महापौर महोदया :– ने कहा के दूसरा प्रस्ताव पढ़ा जाए, जिस पर प्रस्ताव संख्या 02 को पढ़ा गया :–

प्रस्ताव संख्या – 02

नगर निगम जयपुर हैरिटेज में बीट के बकाया पेमेन्ट के भुगतान व नये बीट के टेण्डर की प्रक्रिया चालु करने बाबत प्रस्ताव पर चर्चा।

सदन में भ्रष्टाचार, जनता के मुद्दें, प्रस्तुत प्रस्तावों पर बोलने और भी सदस्यों को बोलने का मौका देने, एक ही सदस्य बार–बार बोलेंगे, ओर सदस्यों के अधिकारों का हनन करने आदि विषयों पर आपसी नोंक–झोंक वार्तालाप होती रही.........

महापौर महोदया :– आप चर्चा किजिए, आप बोलिए, दूसरो को बोलने का मौका दीजिए, दूसरे पार्षद बोलना चाहते है। प्रस्ताव संख्या 2 पर बात किजिए आप अकेले बोल रहे है 2 घंटे तक बोल रहे है। पीछे बैठे पार्षद बोलना चाहते है इन्हें मौका दीजिए।

श्री उमरदराज :– ने कहा कि मेयर साहब जी पार्षद ने आयशा सिद्दीकी के साथ बदतमीजी की है उस पार्षद के खिलाफ कार्यवाही की जाए, उसे सदन से बाहर किया जाए, हम यहां प्रस्ताव पर चर्चा के लिए आते हैं।

महापौर महोदया :– ने कहा कि मेरा सभी से निवेदन है कि इस सदन को अखाड़ा नहीं बनाए, आप प्रस्ताव पर चर्चा करे।

इस दौरान सदन में आपसी नोंक–झोंक दोनों सदस्यों के बीच चलती रहीं, नारेबाजी होती रही।

श्रीमती कुसुम यादव :– ने कहा कि आप प्रस्ताव पास नहीं करा सकते, हम 80 सदस्य है।

इस दौरान विपक्ष के कुछ सदस्य एवं पक्ष के कुछ सदस्यों द्वारा सदन में तख्ती/पोस्टर दिखाने लेगे, यह घटनाक्रम चलता रहा...............

श्री उमरदराज :– ने कहा की मनोज मुद्गल यह अविश्वास प्रस्ताव केवल दिखाने से काम नहीं चलेगा, पहले नियम देखें, समझे केवल मीडिया में छाने से नहीं होगा।

महापौर महोदया :– ने कहा, ऐसे बैनर, पोस्टर दिखाना, लहराना कौनसे नियम में है, आप प्रस्ताव पर चर्चा करे, यदि आप सदन नहीं चलाना चाहते तो बताए, जनता आपसे पूछेगी कि कर्मचारियों के मुद्दों पर भी चर्चा नहीं करना चाहते, उनको आप क्या जवाब देंगे। जयपुर की जनता को आप क्या मैसेज देना चाहते है, आप पढ़े लिखे लोग है।

पार्षदगण वेल में आ गए तथा आपसी वार्तालाप करते रहे.......

श्रीमती कुसुम यादव :– आपके प्रस्ताव पास नहीं है।

सदन में शोर–गुल, नारेबाजी, आपसी वार्तालाप होती रही, इस दौरान महापौर महोदया द्वारा सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित की गई।

10 मिनट बाद सदन की कार्यवाही पुनः प्रारंभ की गई।

महापौर महोदया :– ने कहा कि जो यह आप यहां कर रहे हैं, वह सक्षम स्तर नहीं है आप वहां करे जहां इसकी सक्षम स्वीकृति होगी। यहां पर आप केवल एजेंडे पर चर्चा करे, उस पर बोले, एजेंडे के अलावा बोलने का कोई नियम नहीं है, आपने जिस तरीके का माहौल बनाया है, यह आपके लिए नेगेटिव जाता है, आप पहले सभी अपने–अपने स्थानों पर बैंठे और आज का जो विषय एजेंडा है उन पर चर्चा कर, आप सभी हाथ खड़े करिऐ। जो 02 नंबर का प्रस्ताव है उस पर आप अपने हाथ खड़े करे कि पास करना है की नहीं करना है। **आपसी वार्तालाप..............** **धीरज शर्मा** जी ने जो आचरण किया है उसके लिए वह माफी मांगे, नहीं तो इन्हें सदन से बाहर किया जाए। **इस विषय पर आपसी वार्तालाप होती रही.......**

विमल अग्रवाल :– आप पहले प्रस्ताव पर वोटिंग कराईए।

महापौर महोदया :– आप एजेण्डे पर हाथ खड़े करिए।

श्री धीरज शर्मा :– ने कहा कि आयशा जी मेरी बहन जैसी है, यदि आपको मेरी किसी बात से आपकी भावनाओं को ठेस पहुंची है तो मैं आपका छोटा भाई हूं, मैं सदन में आपसे माफी

मांगता हूं, लेकिन मेरी ऐसी कोई भावना नहीं थी कि आपकी भावनाओं को ठेस पहुँचाऊ, **आपसी वार्तालाप...... शोरगुल**

महापौर महोदया :– आप सभी बैठ जाइए। आप स्वस्थ्य चर्चा नहीं चाहते, आपको जयपुर की जनता देख रही हैं।

श्रीमती कुसुम यादव :– मैडम आप वोटिंग कराईए।

महापौर महोदया द्वारा सदन में आए विधायक माननीय गोपाल शर्मा जी, श्री बालमुकुन्द आचार्य जी का स्वागत किया गया। साथ ही कहा गया कि माननीय सदस्यों से आग्रह है कि आप एजेंडों पर चर्चा करें और भी सदस्य है उन्हें बोलने दें, केवल 04 सदस्य ही एजेंडे से हटकर बोले जा रहे हैं, आप सदन को चलने देना नहीं चाहते। सभी 100 सदस्यों को अपनी राय ऐजेण्डे पर होनी चाहिऐ, वह राय मीनिट्स में शामिल होगी, आप ऐजेण्डे पर बोलिए मैं तो आश्चर्यचकित हूं कि विमल जी, मनीष जी जो लॉयर है वो ऐसी चीजे जो यहां बोर्ड में नहीं हो सकता, वह यहाँ ऐसा कर रहे है। सक्षम स्तर को पहले जाने।

श्री विमल अग्रवाल :– ने कहा कि आपने 03 साल तक बोर्ड की मीटिंग नहीं बुलाई, एडवोकेट जानता था, नगर पालिका एक्ट में स्पष्ट प्रावधान है **आपसी वार्तालाप.........** इसलिए हमें कोर्ट जाना पड़ा और यह बैठक बुलाई गई है।

महापौर महोदया :– हम करना चाहते थे समय नहीं दिया गया।

श्री विमल अग्रवाल :– तीन साल तक आपको समय नहीं मिला। **शोरगुल.........**

महापौर महोदया :– ने कहा कि आप सीधे अध्यक्ष पर प्रत्यक्ष टिप्पणी नहीं कर सकते, आप यह भी नियम पढ़े। आप अध्यक्ष पद की तोहीन कर रहे हैं। **आपसी वार्तालाप......**

श्री मोहम्मद शफीक :– ने कहा कि मेयर साहब आपने 03 साल बिना भेदभाव के काम किए है, हम आपके साथ है।

दोनों पक्षों के सदस्यों के बीच आपसी वार्तलाप.................... विपक्ष के किसी एक सदस्य ने कहा कि भ्रष्टाचार पर हम चर्चा करना चाहते है।

श्री मनोज :– हम भ्रष्टाचार पर चर्चा चाहते है। इस पर महापौर महोदया ने कहा कि सारे काम आपकी अनुशंषा से हो रहे है मैं अनुशंषा नहीं करती यह पूछिए तीन साल में कितना विकास आपके वार्ड में हुआा है। आप 4 लोग ही बोलेंगे पीछे भी माईक दीजिए। भ्रष्टाचार की सक्षम एजेंसी बनी हुई है, आप वहां जाएं। आप जो अनुशंषा करते है, उसकी भी जांच होगी। (इस दौरान आपसी नोंक–झोंक होती रही)

श्री सुरेश सैनी :– ने कहा की जब से बालमुकुन्द आचार्य जीत कर आए है, यह भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ, अवैध बूचड़खाने चलाने वालों के खिलाफ, अवैध मीट/शराब की ब्रिकी करने वालों के खिलाफ, जिस प्रकार से डंका बजाया है, वह सराहनीय कार्य है। **(इस दौरान दोनों पक्षों के सदस्यों के बीच आपसी नोंक–झोंक होती रही)** वह भू–माफियाओं के खिलाफ खड़े हैं। 314/1 गैर मुमकीन आबादी जो नगर निगम के पास है के लिए मैं खुद शिकायत कर रहा हू, जो भूमि नगर निगम के नाम है, उसे 2011 में नापचोक कर, कीर्ति कन्ट्रेंक्शन कंपनी, इसका वर्क ऑडर मेरे पास है, उसने वहां तारबंदी कर अपना बोर्ड लगा दिया। उसके बावजूद भी जो निगम के सर्तकता के उपायुक्त है, मेहरानिया जी उन्होंने सांठ–गांठ करके उन भू–माफियाओं को सर्मथन दिया और जब महाराज जी ने दबाब बनाया तो यह वहां उसे तोड़ने गए। **आपसी वर्तालाप....**

श्रीमती कुसुम यादव :– ने कहा कि सातों एजेंडे एक सिरे से खारिज करते हैं।

महापौर महोदया :– सुरेश जी बूचड़चखाने पर हमारा बहुत अच्छा प्रस्ताव है। आप प्रस्ताव सुनना ही नही चाहते।

इस दौरान सदन में आपसी वार्तालाप, नोंक–झोंक, शोरगुल होती रही.............

इस दौरान सदन में आए विधायकगण का सदस्यों ने तालियां बजाकर स्वागत किया व कहा गया कि आप भी दो शब्द कहे। इस पर महापौर महोदया ने कहा कि यह सही बात है।

श्री गोपाल शर्मा (विधायक) :– ने कहा कि मैं सिर्फ दो मिनट का समय लूंगा, लेकिन एक बार सभी अपने–अपने स्थान पर बैठ जाएंगे तो लगेंगा कि **''व्यम् पंचाधिकम् शतम्''** की संकट के समय हम सब एक है। चाहे भारतीय जनता पार्टी के पार्षद हो, चाहे कांग्रेस के पार्षद हो वह

जनता से जीतकर आए है, वोट लेकर आए है। हमारा पूरा जयपुर आपकी तरफ निहार रहा है और यही एक देश है, यही एक जयपुर है, यही राजस्थान है, जिसमें परम्परा को अच्छी तरह निर्वाहन करने वालों को नमन किया जाता है। सदन कैसे चले, सदन हमेशा बहुमत से चलेगा, जिसके पास बहुमत होगा, नियमानुरूप जिनके साथ पार्षद होंगे, उसी हिसाब से सदन चलेगा, लेकिन मेरा एक विनम्र निवेदन है कि जिस सदन को, हमारी महापौर महोदया को विरुद्ध करने का अधिकार है, उनको हटाने का अधिकार है, क्या वह अधिकार के साथ यह कर्तव्य नहीं जुड़ना चाहिए कि हम विरोध कानून के जरिए, कानून के जरिए का मतलब जो हमारी परम्परा और जो हमारे नियम है, उसके जरिए हो, हम उसको बहुमत के आधार पर हटा सकते हैं, लेकिन यदि हम एक व्यक्ति की आलोचना में लग जाएगे, तो न तो हटा पाएंगे और न ही कोई विषय आगे बढ़ पाएगा, मैंने आपसे दो मिनट के लिए कहा था, एक मिनट ओर कहना चाहता हूं, फिर आपको जँचे जैसा करिएगा। यह जयपुर मर रहा है। पिछले 40–50 सालों से अतिक्रमण इस तरह से हो रहा है जैसे शहर के अंदर कोई कायदे कानून नाम की चीज नहीं है। मैं आपको बताऊ की एक मंत्री के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, नगरीय विकास मंत्री के लिए कि ऐसे भ्रष्ट मंत्री को पद के ऊपर रहने का अधिकार नहीं है, आप यह सोचिये कि क्या जयपुर, इन्दौर जैसा नहीं हो सकता? माननीय प्रधानमंत्री जी ने एक सवाल किया किसी नेता से कि क्या जयपुर इन्दौर नहीं हो सकता? क्या इन्दौर इस तरह से बनेगा? हम खुद देखते हैं कि जयपुर शहर की सफाई व्यवस्था दुरुस्त है, नहीं है। उसमें भ्रष्टाचार है, है। कभी भी किसी के कोई भी एक घर के अंदर 16 भैंस, गायें खड़ी है, उसको छोड़ देते हैं और एक दुधारू गाय को पकड़ ले आते हैं, यह कौनसा नियम है, कौनसा कानून है। एक पूरी गली के अंदर आप जाकर देखे, हर घर में अतिक्रमण है, फिर एक घर को तोड़ने की नैतिकता हमें कहा से मिलती है, जो इसलिए अभी कुछ भाई आवाज उठा रहे थे, कुछ अपने माननीय पार्षद इसके अंदर हम सब को एकजुट होना चाहिए कि जब तक भ्रष्टाचार नहीं रूकेगा, तब तक जयपुर आगे नहीं बढ़ेगा। हमारे आदरणीय महाराज जी ने मीट की दुकानों का सवाल उठाया **(बीच में श्रीमती आयशा सिद्दीकी ने कहा कि कुसुम जी विधायक महोदय अच्छी बात बोल रहे है कम से कम उनका तो समान कर लिजिए उनको सुने बाद में साइन करवा लेना, बीच में डिस्टर्ब नहीं करे)** और मैं एक चीज बता दूं कि साइन से कभी फैसले नहीं होते, साइन से अपने विचार व्यक्त किए जा सकते है। हमारी बात के ऊपर जोर दिया

जा सकता है, लेकिन जब इतना भ्रष्टाचार व्याप्त हो, हर आदमी अपने अधिकार के लिए, अपने सम्मान के लिए तरस रहा हो। और कैसा भ्रष्टाचार सफाई मजदूर में भ्रष्टाचार, 40 आदमी रख रहे हैं, 20 आदमी की सैलेरी जेब में डाल रहे हैं यह क्या है, कैसे हो रहा है। अगर कोई यह सोचे कि कांग्रेस के किए हुए भ्रष्टाचार को बीजेपी के पार्षद सिद्ध कर ले, इससे ज्यादा घौर अनुचित कुछ नहीं हो सकता। भारतीय जनता पार्टी के पार्षदों का मात्र एक मत है कि यह जयपुर राजशाही के बाद में लोकतंत्र के अंदर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की वजह से आया है। भैरों सिंह जी शेखावत यहां के एम.एल.ए हुआ करते थे, सतीषचंद्र अग्रवाल जी यहां के एम.एल.ए हुआ करते थे, भंवर लाल शर्मा जी, यहां पर नगर परिषद के चैयरमेन थे, इनके बारे में कभी आप लोगों ने कहीं सुना है कि भ्रष्टाचार किया हो, तो भारतीय जनता पार्टी के पार्षद इस परंपरा से जुड़े हुए है. **आपसी वार्तालाप.........** अगर मुझ से कोई यह कह दे कि एपीजे अब्दुल कलाम की आलोचना कर दे तो मैं कहूंगा कि मर जाऊंगा, नहीं कर सकता। ऐसे ओर भी लोग हुए होंगे, हम अब्दुल हमीद की आलोचना कर सकते है, नहीं कर सकते। मेरा भाषण देने का इरादा नहीं है, मेरा सिर्फ इतना निवेदन है कि जयपुर को मैं यह कह रहा था कि यह मर रहा है। यह इसलिए कह रहा हूं कि चार दीवारी के मकान जगह-जगह से जर्जर हो चूके हैं, ढह रहे हैं, कहीं पर भी सफाई नहीं हैं। आप बताए कि कोई एक व्यक्ति मृत्यु का प्रमाण लेने आए, बाल छीले हुए हो, पिता को याद कर रहा हो और उससे यह कहा जाए कि इतने पैसे दोंगे तो प्रमाण पत्र मिलेगा। मुझे कोई बता दे यहां पर 100 पार्षद है कि यदि किसी कि घर गाय/भैंस मर जाए तो वह बिना पैसे के आज तक उठी है क्या? मैं इतना कहना चाहता हूं कि जयपुर के बड़े उद्योगपतियों से मेरी बात हुई है, जो आप लोगों का साथ देना चाहते हैं, जयपुर को आगे बढ़ाने में। जो कह रहे है कि हम मिलकर जयपुर को आगे बढ़ाएंगे, हम सभी उसी तरह के वातावरण को आगे बढ़ाए। बाकि जिनके पास बहुमत है, जो बहुमत होने का दावा कर रहे है, जो महापौर जी को हटाने का दावा कर रहे हैं, उसमें में कहीं भी शामिल नहीं हूं। हमारी पार्टी के वरिष्ठ पार्षद जो सामने बैंठे है, यह इसके अंदर समक्ष है, यह हमारे युद्धिष्ठर, भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव की तरह है, जो पांच की बात उठ रही थी, ये पांच पांडव है। इसलिए जो भी नियम कहे उसके हिसाब से आचरण करिए, मेरा इतना ही निवेदन है। यदि किसी की भावनाओं को ठेस लगी हो तो में क्षमा चाहता हूं लेकिन हमें मिलकर जयपुर को आगे बढ़ाना है, यह सोचे कि हम सब एक है।

श्री बालमुकुन्द आचार्य (विधायक) :– ने भारत माता की जय, अराध्य गोविन्द देवजी महाराज की जय कहकर अपनी बात कही कि मैं आज प्रथम बार निगम के इस सदन में आया हूं। सर्वप्रथम में सम्मानीय अध्यक्ष महोदय और सभी जनसेवक के रूप में जयपुर शहर से यहा चुनकर सेवा करने के लिए यहां उपस्थित हुआ हूं। मैं आप सभी का साधुवाद और शुभकामना प्रेषित करता हूं। सम्मानीय विधायक महोदय गोपाल जी भाईसाहब ने हम सभी को सम्बोधित किया, विषय है कि आज तीन वर्ष बाद परिस्थितियां ऐसी बनी की तीन साल बाद इस बैठक का निमंत्रण आया और यह पार्षद तीन साल से इंतजार कर रहे थे इन्हें यहां आने का मौका मिला और हमारे पार्षदगण इधर के हो, उधर के हो, सभी मिलकर जयपुर का विकास चाहते थे और जिनके लिए संघर्ष कर रहे थे और संघर्ष का परिणाम निकला कि यह मौका मिला, अन्यथा यह मुश्किल था। जैसा अभी पूर्व में कहा यह बात सत्य है कि आप लाइव के द्वारा मुझे प्रतिदिन देखते है, मैं जनप्रतिनिधि बाद में हूं, अध्यात्मिक दृष्टि से मैं जिन कामों को देख रहा था उसमें जो देखा और आज भी दिखा रहा हू, यह सच्चाई है। जयपुर में नरक निगम जैसा नाम कर दिया है, इस नगर निगम को, यह सच्चाई है। जयपुर में कचरे का अपार ढेर पड़ा है और जहां जाते हैं, वहां यह बात आती है। इन्दौर पहले स्थान पर है, आप दूसरे पर आए, तो हम 171वें स्थान पर है। महापौर महोदय यह बहुत पीड़ा का विषय है, सब की पीड़ा है। जयपुर के आप है, जयपुर के हम है और जयपुर के यह पार्षद है। यहां पर कोई वर्चस्व की लडाई नहीं है, लेकिन बाहर जो लोग देख रहे हैं, हम सब को देख रहे हैं और जिन निगाहों से देख रहे हैं, उसमें आप हम सब पर प्रश्न लगा हुआ है कि यह कर क्या रहे हैं, यह सच्चाई है। पाँच साल पहले भी स्थिति थी कि कितने भी फोन करे, अधिकारी फोन नहीं उठाते और यदि फोन उठा भी लेते है तो वह उनका उठाते है जिनसे इनका कोई कनेक्शन होना है। यह स्थितियां, बनी है क्यों? दूसरी बात, आप जो प्रस्ताव लाए है माननीय वह माने जाएंगे, लेकिन जो कहीं हमारे अनुरूप नहीं है उसके अंदर हमारे पार्षदगण सक्षम है, नहीं और यदि कुछ जोड़ने है उनकी सहमति से काम होगा यह पार्षद गली मोहोल्लों के बीच जनता के बीच बैठते हैं, इनको पता है कि वहा कि समस्या क्या है, वहां कि स्थितियां क्या है तो इनके अनुरूप इनको विश्वास में लेकर वो अनुकूल प्रस्ताव बनने थे। आज तक कचरे की समस्या दूर नहीं हो पा रही है, जिसको स्मार्ट सिटी का इतना मोटा बजट, जिसको सुंदर सजाने का काम, केंद्र सरकार की इतनी योजनाओं का लाभ आपको घर बैठे मिल रहा था, पिछले

सरकार ने तो नहीं किया, लेकिन जो केंद्र सरकार भेज रही थी वह भी नहीं पहुंच पाए, जनकल्याणी काम थे या हमारे शहर को सुंदर बनाने का स्मार्ट बनाने का काम था और अभी तक, आज तक कचरों से जूझ रहे हैं। नालियों के लिए जूझ रहे हैं, मवेशियों के लिए जूझ रहे है इतनी बड़ी फाइल इक्कठ्ठी होती है जो पीड़ा का विषय है, मेरा निवेदन है कि इधर से उधर से आप हम सब लोग स्वच्छ जयपुर चाहते है, स्वस्थ जयपुर चाहते है, पूरी दुनिया हमारे हैरिटेज संरक्षण की फोटो खींचने देखने आती है, मैं हर जगह जहां कचरे पर खड़ा होता हू, यही बात कहता हूं कि इसकी भी फोटो खींचकर पूरी दुनिया में जा रही है। हमारे पार्षदों ने पहले लाठी–भाठा खाए, यहां तीन वर्षों तक और अब भी वह स्थिति बने यह नहीं चलेगा, मेरा प्रार्थना/निवेदन है आपसे, मुझ से पहले बहुत कुछ गोपाल जी भाईसाहब ने कह दिया, लेकिन मैं आपको अब निवेदन कर देता हू, यहां वह चर्चाएं करे जो शहर को तुरंत प्रभाव से स्वच्छ और सुंदर स्वरूप कर सके। जो तीन साल तक काम नहीं हो पाए, जो आपने होने नहीं दिए, वह काम तुरंत प्रभाव से हो, पहले चर्चा उस पर करे उसके बाद आगे की बात होगी **जय सिया राम आपसी वार्तालाप......** के बीच किसी सदस्य ने ठेके के विषय पर कुछ कहा, जिस पर श्री बालमुकुन्द आयार्च जी ने कहा कि देखिए बहन सुनीए मेरी बात, आप लोगों ने रेवेन्यू को घटा दिया, आपके जो ठेके है उसके बारे में मैं बता दूं, मुझे बोलना नहीं था, लेकिन आपने बात उठाई है, आप लोगों ने पार्किंग के ठेके कैसे दिए, इसकी जांच होनी चाहिए की नहीं होनी चाहीए। जो ठेका 50 लाख में जाता वह दो लाख में कैसे छुटा, बूचडखानों की कितनी पर्ची कटती है और वहां किस हिसाब से काम होता है यह विषय हमारे पार्षदगणों का है वह यह विषय रखेंगे। लेकिन मेरा इतना सा निवेदन रहेगा, आपसे मेरी प्रार्थना है कि यह बहुत सुंदर मौका मिला है, यह सेवा करने का पुण्य कमाने का मौका है, कोई तीर्थ जाकर पुण्य कमाता है या लोगों की सेवा करके भारतीय जनता पार्टी के परिवार का स्वभाव मैं बता देता हू, राजनीति करना स्वभाव नहीं है हम लोग राजनीति के लिए नहीं आते, भारतीय जनता पार्टी वह संगठन है, जहां सेवा का संकल्प, मातृभूमि का संकल्प, भारत माता की सेवा का संकल्प सर्वोपरी रहता है उसके लिए जान जाए तो जाए, भारतीय जनता पार्टी राजनैतिक संगठन न होकर सेवा का संगठन है और सेवा के कार्य में अग्रणीय है। आपसे मेरी प्रार्थना है कि आप लोग जो जयपुर की जनता की सेवा का संकल्प ले रखा है उसकी चर्चा करके आगे बढ़े और पिछले तीन साल से जो जिस प्रकार से काम हुए है, उस

पर भी चिंतन करे, उसकी आवश्यकता है। आपने अपने प्रतिनिधि के रूप में जो तय किया है, जिन–जिन विषयों पर जो बात रखना है आप लोग रख सकते हैं, आप अधिकारी है इस बात के। हमारे इधर के पार्षद भी इतने चिंतित है देखिए यह तीन साल तक तो बोले नहीं और इनकी भी आवाज निकली है।

महापौर महोदया :– ने कहा कि पहले आप एजेंडे पर ही बोले आपके प्रस्ताव मिनिट्स में आऐंगे। उसके बाद आप अपनी–अपनी बात रख सकते हैं, बारी –बारी रखे ताकि सभी सुने प्रस्ताव संख्या 02 पर बोले। अभी विधायक महोदय ने भी कही है ऐसे बार–बार बीच–बीच में बोलेंगे तो कैसे होगा। आप अपनी वोटिंग एजेंडे पर दे।

श्री उमरदराज :– ने कहा कि यहां उपस्थित सभी पार्षदगण, मीडियागण, अधिकारीगण, विधायकगण सभी को मेरा शुक्रिया। अभी हमारे विधायक जी ने जो बाते कहीं इनसे हमें सबक लेनी चाहिए, कुछ सीख लेनी चाहिए। हमसे बड़े है, वह यहां हमें कुछ सीखाने के लिए आते है। हम बहुत कुछ बाते इनसे सीखने को मिलती है। हम यह चाहते है कि जयपुर की जनता हमारी तरफ निगाहें जमाई बैठी है, यहां जो भी समय हमें मिला यदि उसमें हम आपस में उलझकर अपनी बातों को रखे इससे कुछ नहीं होगा। पहला प्रस्ताव तो आपने शायद पास कर चुके थे और दूसरा प्रस्ताव जो कि बीट्स कर्मचारी रखने से संबधित है, मैं पहले प्रस्ताव पर बोलू या दूसरे पर महापौर महोदया मुझे बता दें। जिस पर महापौर महोदया ने कहा कि दूसरे प्रस्ताव पर बोला जाएंगा।

इस दौरान सदस्यों के बीच प्रस्ताव संख्या पर बोलने के विषय पर आपसी वार्तालाप..............

श्री मनीष पारीक :– ने कहा कि कौनसा दूसरा, पहला ही नहीं हुआ, बिजनेस कन्डेक्ट रूल है उसके आधार पर काम करेंगे, माननीय विधायक महोदय ने कहा कि पहले जो प्रायोरिटी के मुद्दें हैं उस पर चर्चा करें। उनकी उपस्थिति में वह हो जाएंगे, जैसे सफाई है, लाईट है, पशु है, सड़क निर्माण है, जिसके लिए जनता वेट कर रही है, उस पर करे। साथ ही जो नियम है उसके आधार पर हमने मत–विभाजन कराने की मांग की थी तो आप पहले प्रस्ताव पर वोटिंग करा ले, वोटिंग प्रस्ताव के विरुद्ध में जाएगा वह तो डेफर होना है या उसको निरस्त करना पड़ेगा, नियम भी कोई चीज होती है **देयर इज रूल ऑफ लॉ आपसी वार्तालाप.......**

महापौर महोदया :— मनीष जी बिजनस कंडक्ट रूल में यह प्रावधान है जो ऐजेंडा बना है आप उसी पर बोल सकते है।

महापौर महोदया द्वारा सदन में आए विधायक माननीय रफीक खान जी, अमीन कागजी जी, प्रशांत शर्मा जी का स्वागत किया गया।

श्री मनीष पारीक :— ने कहा कि माननीय विधायकगण का स्वागत है और यह गंगा—जमना तहजीब का सबूत बना है कि दोनों पार्टी के विधायक यहां पर शहर की बेहतरी के लिए यहां उपस्थित हुए है, तो मेरा निवेदन है कि जो शहर में प्रायोरिटी बेसेस पर काम चल रहा है उस पर पहले काम करा ले, **जिस पर** महापौर महोदया ने कहा कि मनीष जी एजेंडे में सफाई हूपर आदि विषय है, यदि आप उस पर आएंगे तो आपकी बात उसमें आ जाएंगी **इस पर** मनीष पारीक ने कहा कि आप तो कह रहे है कि दूसरे प्रस्ताव पर चर्चा करे तो पहले प्रस्ताव का क्या हुआ **आपसी वार्तालाप**.......... **जिस पर** महापौर महोदया एवं **पक्ष के कुछ** सदस्यों ने कहा की पहला प्रस्ताव पास हो गया **इस पर** श्री मनीष पारीक ने कहा कि कैसे पास हो गया आप वोटिंग करा ले **जिस पर** महापौर महोदया ने कहा आप पीछे मुड़कर देखें।

श्रीमती कुसुम यादव :— ने कहा कि बिना बहुमत के आप प्रस्ताव पास करा रही है, माननीय विधायक रफीक भाई, अमीन भाई आपकी महापौर महोदया बिना बहुमत के प्रस्ताव पास कराना चाह रही है, हम 80 लोग उसका विरोध कर रहे हैं। हम 80 लोगों ने 01 नंबर प्रस्ताव का बहिष्कार किया है, आप इन्हें समझाए यह संवैधानिक तरीके से करे।

इस दौरान भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, निर्दलीय के पार्षदों ने कहा कि पास नहीं हुआ, पास हुआ।

महापौर महोदया :— ने कहा कि आप उस पर स्वस्थ चर्चा करे।

श्री अमीन कागजी (विधायक) :— ने कहा कि आदरणीय सभापति महोदय, सम्मानीय विधायकगण और तमाम पार्षदगण, हम जो भी जनप्रतिनिधि है उसमें चाहे विधायक तौर पर हम यहां आए है आप सभी पार्षद चुनकर यहां आए है, जयपुर शहर एक गंगा—जमुनी तहजीब का शहर है, इसे हमें बनाए रखना है। दूसरी बात जो मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि

आज जयपुर की पूरी जनता हम सभी को टी.वी पर देख रही है। सभी मीडियागण यहां आए हैं, अगर प्रस्ताव बहुमत से पास होता है तो पास होगा और अगर जिसमें बहुमत नहीं है उसमें मेरा आपसे अनुरोध है कि आप उसमें टीका-टिप्पणी नहीं करें जो भी प्रस्ताव है उस पर एक-एक सदस्य चर्चा करें, उसमें पार्षदों को बोलने का मौका दे हर प्रस्ताव पर जो भी बोलना चाहे, वो बोले और उसके बाद यह एक स्वस्थ परंपरा है और हाऊस की गरिमा बनाकर आपको रखनी है, जो लोग प्रस्ताव के विपक्ष में मतदान करना चाहते हैं, हर प्रस्ताव पर उनसे हाथ खड़े करवा के और जो आपके अधिकारी यहां बैठे है, जो मीनिट्स नोट लिख रहे हैं उनसे मेरा अनुरोध है कि वह फोटोग्राफी करवाए, एक-एक की फोटोग्राफी हो जो वर्जन दे रहे है, उसकी वीडियोग्राफी हो और जो बोल रहे हैं प्रस्ताव के पक्ष में या विपक्ष में उनकी फोटोग्राफी होके हैड-काउंट हो ऐसे कहने से नहीं होता है कि प्रस्ताव पास है या रिजेक्ट है। इसलिए अनुशासन में रहकर आप सभी को हम जयपुर के चुनिंदा और प्रतिष्ठित पार्षद है इस बात का आप सभी से मेरा अनुरोध है कि पूरा जयपुर 40 लाख की जनता यहां आपको देख रही है, आप संयम से इस हाऊस को चलने दे। **धन्यवाद।**

इस दौरान दोनों पक्षों के सदस्य अपने-अपने स्थान से उठकर एक-दूसरे की ओर आने-जाने लगे, जिस पर महापौर महोदया ने कहा की आप सभी सदन की गरीमा को बनाए रखे, सभी बैठ जाए, जो नियम है पहले एजेंडे पर चर्चा करे, आप सभी पढ़े-लिखे लोग हैं, यहां हल्ला करने नहीं आए है, अपनी स्वस्थ चर्चा करे और नियम कन्टेंक्ट है, एजेंडे पर ही बोलेंगे, एजेंडे पर ही चर्चा करें आप (किंतु सदस्यगण आपस में उलझते रहे, यह घटनाक्रम कुछ समय तक चलता रहा.......)

श्री असलम फारूकी (उप-महापौर) :- ने कहा कि आप सभी बैठ जाए हमने उन विधायकों को भी सूना है, अभी रफीक खान जी बोले रहे है, उनको शांति से सूने, उसके बाद आप बोल लेना।

इस दौरान सदन में वेल में सदस्यों के बीच माफी मांगने के विषय पर आपसी वार्तालाप, नोंक-झोंक होती रही.......

महापौर महोदया आप सभा को चलने दे, आप प्रस्ताव पर चर्चा नहीं करना चाहते, आप सोचकर आए है कि हमें तो हल्ला करना है। जनता आपको देख रही है सभी शांति बनाए रखे, आप अपने स्थान पर बैठ जाए, माननीय विधायक जी बोल रहे हैं, उनको सूने।

श्री रफीक खान (विधायक) :– ने कहा कि तीन साल बाद यह मीटिंग हो रही है और इसमें सटैन क्लियर है, यह मैं आयुक्त महोदय, महापौर महोदय से कहना चाहता हूं कि जब यह एजेंडा प्रस्ताव बना, तो सारे पार्षदों से प्रस्ताव लेकर फिर एजेंडा बनना चाहिए था। बजट प्रस्ताव आपने सरकार को भेजा और बड़ी शर्मनाक बात यह है कि हमने किसी भी पार्षद के नोलेज में नहीं डाला कि क्या बजट जाएगा, किस मद में पैसे जाएंगे। एक भी व्यक्ति को उसकी सूचना नहीं दी गई, डेमोक्रेसी में ऐसा नहीं होना चाहिए, हमें इसमें सुधार करना चाहिए और जो बजट की कॉपी हमने सरकार को भेजी है उसकी एक–एक प्रति सभी पार्षदों को उपलब्ध करवाए ताकि पार्षदों को पता लगे कि किस मद में हम क्या पैसा मांग रहे हैं और सबसे बड़ी बात कि एजेंडा तैयार कर दिया, एजेंडे में कोई विकास का मॉडल नहीं, कोई काम की बात नहीं, कोई सफाई की बात नहीं, कोई पार्किंग व्यवस्था की बात नहीं, एजेंडे को देखकर ऐसा लग रहा है कि पार्षदों के अधिकारों को काट दिया गया हो, डेमोक्रेसी में ऐसा नहीं होता है। पार्षदों के अधिकारों की रक्षा करते हुए हमेशा ही इसमें एक प्रेसीडेंस रहा है। अगर कोई पार्षद प्रस्ताव देना चाहे तो वह दे, चेयरमेन की अनुमति से दें, अगर चेयरमेन की परमिशन नहीं मिले तो, बहुमत के आधार पर दे, प्रस्ताव आने चाहिए, चर्चा होनी चाहिए, नगर निगम का जो मैन काम है, वह यह है कि कैसे शहर की सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके, कैसे कर्मचारी काम करें और पार्षद का उसमें इनवॉलमेंट रहे चाहे पार्षद किसी भी दल का हो। पार्षदों को अपने क्षेत्र में काम करने की इजाजत मिलनी चाहिए, इन बातों पर ध्यान नहीं दिया गया। मेरी गुजारिश है सभी से कि अब हम सभी को मिलकर सार्थक चर्चा करनी चाहिए यह ध्यान रखे। पार्किंग के ठेके हो रहे है, उस पर एलीगेशन लग रहे हैं, काम जो भी करे उसमें पारदर्शिता हो, जनता का विश्वास उसमें हो, पार्षदों का विश्वास उसमें हो, तब जाकर हम शहर को एक शक्ल और स्वरूप दे पाएंगे। पहले ही मीटिंग काफी लेट रखी गई जो हर साल चार से छह मीटिंग होनी चाहिए वह नहीं हो सकी, चूंकि अब मीटिंग हो रही है

तो इसमें सार्थक चर्चा हो और इस एजेंडे में जो तीन नंबर का प्रस्ताव है उसमें पार्षदों को ऐतराज है ही, मुझे सबसे ज्यादा ऐतराज है। इस बात का ऐतराज है कि आपने एजेंडे में डाल दिया कि हम मीट की दुकानों को बंद कराएंगे, इतनी दूरी तय होगी, शराब की दुकाने 24 घंटे खुली रहती है, वहां से हम अतिक्रमण को मुक्त कराएगे, दुकाने हटाएंगे, मीट की दुकानों की दूरी तय करेंगे जो प्रेसीडेंस चला आ रहा है, जयपुर शहर गंगा–जमुना तहजीब का शहर है यहां हर धर्म, जाति, मजहब का हर आदमी अपने धर्म की रक्षा करते हुए काम करता आया है और जयपुर शहर इस बात के लिए पूरी दुनिया में विख्यात है। हम इन सब बातों को एजेंडे में नहीं डालके ऐसे पर्टिकुलर किसी जाति, समाज को टारगेट नहीं करके हम सार्थक चर्चा करे, हम साफ–सफाई पर चर्चा करें। जयपुर शहर कैसे सुंदर लगे, इस पर चर्चा करे, कैसी पार्किंग व्यवस्था हो उस पर चर्चा करे। मैंने पीछे देखा कि 25 साल से हटवाड़ा लग रहा है वहां नगर निगम के कर्मचारी पहुंच गए, एक बाजार के 40 दुकानदार खिलाफत करते है, और 3 हजार आदमियों पर जुल्म करने पहुंच जाते हैं। एक दिन हटवाड़ा लग रहा है, हम उसके ऊपर भी जुल्म करना चाहे, हाईकोर्ट में गए हुए हैं, मुकदमा पेंडिंग हैं। ऐसा नहीं हो, हर आदमी को जीने का अधिकार है। पिछले दिनों देखा, ई–रिक्शा के ऊपर पॉलिसी बन रही है, बिल्कुल बने, ई–रिक्शा, व्यवस्थित रूप से चले, शहर का ट्रेफिक व्यवस्था सुचारू रूप से चले, लेकिन सख्त ऐतराज इस बात का है कि हम ई–रिक्शा वालों को बेरोजगार कर दे, उनको घर भेज दे, उन पर 5 से 10 हजार रुपये का जुर्माना कर दे। पॉलिसी बने निगम स्तर पर बने, सरकार स्तर पर बने, चूंकि पहले ई–रिक्शा, बैटरी रिक्शा नहीं हुआ करते थे, अभी कुछ समय से चल रहे हैं, आज के समय में, आज की तारीख में लगभग 40 हजार ई–रिक्शा रजिस्टर्ड है। सीधे–सीधे हम 40,000 लोगों को बेरोजगार कर देंगे।जयपुर शहर में इन सब की पॉलिसी बने, समावेश हो और समावेश होकर सभी के हितों पर हम काम करें और खासतौंर से मैं मेरी बात समाप्त करने से पहले मैं कहना चाहता हूं कि साफ–सफाई के मुद्दें हो, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगें, हम एक कोई पॉलिसी लागू करते है और कर्मचारी एक्स्टार्शन करने पहुंच जाते हैं। अभी स्पेरो कंपनी का आदमी घूम रहा है। 100 गज से नीचे का कॉमर्शिलय फ्री है और 300 गज तक रजिडेंस फ्री है, तो वह कर्मचारी कैसे इनके पास जाता है, उसको किसने पॉवर दी कि वह कहता है कि मैं नीलामी कर दूंगा, सील कर दूंगा, यह अधिकार किसने दिए, वह कैसे चला जाता है, ठेकेदार है, टैक्स कलेक्शन का काम उसे दिया

गया है, कलेक्शन तक सीमित रहे, इससे आगे बढ़ेगा तो उसकी दुर्गति होगी, इस बात को वह समझ ले। 100 गज से नीचे व 300 गजसे नीचे वह नहीं जाए, जो उसके क्षेत्राधिकार में है वहां जाएं, चेक करे यदि उसने कोई पुराना टैक्स जमा करा रखा है जो उसको देखे, उससे वह एवीडेंस ले। अभी रास्ते में मैं आ रहा था, एक व्यक्ति का फोन आया है, जनता कॉलोनी से कि मैंने टैक्स दे रखा है और वह कह रहा है कि मैं कुर्की करने आ रहा हूं, किसने पॉवर दे दी कुर्की करने की। एक पॉलिसी बने और उसमें निगम कर्मचारी का इनवॉल्मेंट हो, ठेकेदार बिना किसी निगम कर्मचारी के किसी घर में नहीं जाए और जाएगा तो निगमकर्मी के साथ जाएं उसे गलती के लिए वह खुद जिम्मेदार होगा उसमे भी 100 गज के नीचे कमर्शियल और 300 गज के नीचे रेजिडेंशियल में न जाएं। मैं आप सभी को आज की मीटिंग की बधाई देता हूं और आप सभी से यह कहना चाहता हूं कि सार्थक चर्चा करे और जो अभी आप यह कह रहे थे, जिन बिन्दुओं पर चर्चा हो रही है कि प्रस्ताव पास नहीं हुआ है तो इसमें कोई एजेंडा बहुमत के आधार पर पास हो, काउंटिंग हो अगर जरूरत पड़े तो काउंटिंग के आधार पर निर्णय लिए जाए। आप सभी को **शुक्रिया, धन्यवाद।**

शोरगुल आपसी वार्ता..........

महापौर महोदया :– ने कहा कि आमेर से विधायक माननीय प्रशांत शर्मा जी को बोलने का मौका दिया जाए, आप उन्हें भी सुने।

शोरगुल आपसी वार्ता..........

श्री गोपाल शर्मा (विधायक) :– ने कहा कि इसमें छोटी सी गलतफमी इसलिए हो गई कि हमारे आदरणीय भाई रफीक जी देर से पहुंचे, यहां हम लोग जो बात कर रहे थे उसमें हटवाड़ा शामिल नहीं था, हम लोग जो बात कर रहे थे उसमें 300 और 100 गज के अंदर घुसना शामिल नहीं था, हम लोग एक जयपुर की बात कर रहे थे, अगर 300 गज के अंदर आप यह सोचेंगे कि वहां पर चाहे जो बना लिया जाए और कोई घुसे ही नहीं हम सैटबेक ही नहीं छोड़े, हमारे अंदर कोई नहीं जाए, तो जयपुर को मिनि पाकिस्तान नहीं बनने देंगे।

इस दौरान दोनों पक्षों के कई सदस्य वेल में आ गए, इस पर श्री गोपाल शर्मा विधायक ने कहा कि बी.जे.पी के पार्षद अपने स्थान पर चले जाए। महापौर महोदया ने कहा कि आप

सभी अपने–अपने स्थान पर जाए किंतु सदन में दोनों पक्षों के सदस्य वेल में आपस में उलझ गए, नारेबाजी, धक्का–मुक्की होने लगी, कुछ दर्शक वेल में लगे टेबल पर चढ़ गए, बैनर दिखाने लगे, दर्शक दिर्गाह में बैठे लोग भी नारे–बाजी करने लगे, विधायकों के बीच में भी टोका–टोकी होने लगी, कुछ सदस्यों ने कहा कि बैठक स्थगित कर दे।

सदन में अव्यवस्था उत्पन्न हो गई। महापौर महोदया द्वारा सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई।

10 मिनट बाद सदन की कार्यवाही प्रारंभ हुई।

महापौर महोदया :– ने कहा कि सभी माननीय सदस्य आप अपने–अपने स्थान पर बैठे, स्वस्थ चर्चा करें, आपको पूरा जयपुर शहर देख रहा है। ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न न करें, अपने शब्दों पर, अपने व्यवहार पर संयम रखे, आप स्वस्थ चर्चा करें ऐसा करेंगे तो आप जनता को क्या जवाब देंगे।

श्री रफीक खान (विधायक) :– ने कहा कि गोपाल जी शर्मा मुझे कह रहे है कि आप संभाल लो हमको। मेरा इन्टेंशन ऐसा नहीं था, आपसी वार्तालाप......... गोपाल जी पहली बार विधायक बने है पूरी बात समझ नहीं पाए, साहित्यकार के आदमी है, कंस्ट्रक्शन की बात नहीं हो रही है। यूडी टैक्स की बात हो रही है कि 100 गज से नीचे कॉमर्शियल फ्री है और 300 गज तक रजिडेंस टैक्स फ्री है। यह कंस्ट्रक्शन पर चले गए, मेरा ऐसा इन्टेंशन नहीं था। आप संभाल लो तो मैं कहना चाह रहा हूं कि यह पत्राकारिता के आदमी है, यह इसलिए बोल गए कि कौन कैसे छपेगा, इसलिए बोल गए। आपको इस बात का अंदाजा नहीं है मैं इनकी साहित्य की भाषा में जवाब दे देता हू, उंगली उठाने से पहले, कुछ कहने से पहले आप कह रहे है पाकिस्तान की बात कहा से आ गई, आप ही इस तरह की बाते कर रहे हैं।

श्रीमती कुसुम यादव :– ने कहा कि माननीय विधायक हमें सदन में चर्चा करने दें।

इस दौरान विपक्ष के किसी एक सदस्य ने कहा कि विधायक महोदय गोपाल जी विधायक ने कहा है कि जयपुर को मिनी पाकिस्तान नहीं बनने देंगे, तो क्या आप बनाना चाहते है। यह जवाब दे शोर–गुल.......

श्री गोपाल शर्मा (विधायक) :– ने कहा कि मैं कांग्रेस के पार्षदों से प्रार्थना करना चाहता हूं कि कभी भी कोई बात मैं कहता हूं, आप लोगों की भावनाओं को चोट पहुंचाने के लिए नहीं कहता हूं। मैं अपने पत्रकारिता को अपमानित होते नहीं देख सकता, **इस बीच श्री रफीक खान विधायक ने कहा कि** आप पत्रकारिता के आदमी नहीं है क्या?

इस दौरान सदन में दोनों पक्ष के सदस्य एवं दोनों दल के विधायकगण आपस में एक–दूसरे पर सही है, गलत है आदि से संबंधित बातें होती रही, शोरगुल, आपसी वार्तलात चलती रही, महापौर महोदया ने कहा कि यदि आप इसी तरह सदन में व्यवहार करेंगे तो मुझे सदन को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करना पड़ेगा। आप सभी शांति से बैठे, स्वस्थ चर्चा करें। (लेकिन सदन में इस दौरान मान–अपमान के विषय पर सदस्यों के बीच नोंक–झोंक चलती रही......)

श्री अमीन कागजी (विधायक) :– ने कहा कि आप सभी शांति से बैठ जाए, यहां हिन्दुस्तान, पाकिस्तान की बात नहीं है, जिनको हिन्दुस्तान से नफरत थी वह इस देश को छोड़कर जा चुके हैं, आप बात को छोड़े आप बैठ जाए। सार्थक चर्चा करे मेरा आपसे निवेदन है, मैंने आपसे पहले भी कहा यहां अपनी कोई पर्सनल जमीन–जायदाद का झगड़ा नहीं है, न ही पॉल्टिकल ईशु बनाए। अगर आप जयपुर के वभुति के लिए, जयपुर की अच्छाई के लिए और जयपुर की एक पहचान है, पुरे हिन्दुस्तान में अगर आज उसको लेकर आप बहस करना नहीं चाहते, तो इस मीटिंग का क्या एजेंडा था, क्यों मीटिंग रखी पहले आप मीटिंग रखने की बात कर रहे थे, अब यह मीटिंग रखने की बात करते हैं यह हाईकोर्ट के आदेश से मीटिंग हो रही है, इस बात को समझीए। इधर–उधर की पॉल्टिकल बात अखबार में छपने के लिए नहीं करनी चाहिए हमें। कि अखबार में फ्रंट पेज पर कौन आए, यह शर्म होने की बात है। आप लोग जयपुर के बारे में नहीं सोचते, आज जयपुर में कितनी बड़ी परेशानी है, चाहे गोपाल जी भाईसाहब हो, चाहे रफीक जी भाईसाहब है, चाहे ओर कोई भी हो हम सब इस बात को लेकर चिन्तित है कि जयपुर कैसे सुधरे, हर आदमी जयपुर को लेकर चिन्तित है। जनता ने आप लोगों को यहां चुनकर इसलिए भेजा है कि आप यहां पर उसका माखौल करे, एक दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप करे, ऐसा नहीं होना चाहिए। मेरा आप सभी से निवेदन है, मैं आपके लिए नहीं कह रहा हूं, हम सब इसमें शामिल है, हम भी शामिल है। **आगे की वार्ता अस्पष्ट......**

इस दौरान सदन में पुनः आपसी नोंक–झोंक, टोका–टोकी, शोर–गुल, एक–दूसरे सदस्यों की बीच होने लगी, जो कि चलती रही। इस पर महापौर महोदया द्वारा सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई।

अध्यक्ष एवं महापौर
साधारण सभा
नगर निगम, हैरिटेज जयपुर

आयुक्त एवं सचिव
साधारण सभा
नगर निगम, हैरिटेज जयपुर